Ancient Vedic Mantras and Rituals

Vinayak Chaturthi 2026: तिथि, पूजा मुहूर्त, व्रत विधि, कथा, महत्व और सम्पूर्ण जानकारी | PDF

विनायक चतुर्थी क्या है?

हिंदू धर्म में चतुर्थी तिथि का विशेष महत्व होता है, विशेषकर शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहा जाता है। यह दिन प्रथम पूज्य देव भगवान गणेश को समर्पित होता है, जिन्हें विघ्नहर्ता, बुद्धि के देवता और शुभ कार्यों के आरंभकर्ता के रूप में जाना जाता है।
किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले गणेश जी की पूजा करने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। इसलिए विनायक चतुर्थी का व्रत व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला माना जाता है।

विनायक चतुर्थी 2026 तिथि और पंचांग विवरण

पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का आरंभ:
20 फरवरी 2026 को दोपहर 2 बजकर 38 मिनट पर होगा और तिथि का समापन 21 फरवरी 2026 को दोपहर 1 बजे होगा

हिंदू धर्म में व्रत और पूजा के लिए उदया तिथि को प्रमुख माना जाता है। इसलिए इस वर्ष विनायक चतुर्थी का व्रत **21 फरवरी 2026 (शनिवार)** को रखा जाएगा।

यह दिन अत्यंत शुभ माना जाता है क्योंकि इस दिन सूर्योदय के समय चतुर्थी तिथि विद्यमान रहेगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त और चंद्र दर्शन

विनायक चतुर्थी के दिन पूजा का सबसे शुभ समय प्रातः काल से मध्याह्न तक माना जाता है। भक्तजन सूर्योदय के बाद स्नान करके भगवान गणेश की पूजा प्रारंभ कर सकते हैं।
मध्याह्न काल में पूजा करना विशेष फलदायी होता है, क्योंकि यह समय गणेश जी की आराधना के लिए सर्वोत्तम माना गया है।
इस व्रत में चंद्र दर्शन का विशेष महत्व होता है। रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत का पारण किया जाता है।

विनायक चतुर्थी व्रत का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

विनायक चतुर्थी केवल एक व्रत नहीं, बल्कि यह आध्यात्मिक शुद्धि और मानसिक संतुलन प्राप्त करने का एक माध्यम है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है, जो जीवन की सभी बाधाओं को दूर करते हैं। जो व्यक्ति इस दिन श्रद्धा और नियम के साथ व्रत करता है, उसके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है।
यह व्रत विशेष रूप से निम्न लाभ प्रदान करता है:
जीवन की बाधाओं का नाश

बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि
व्यापार और नौकरी में सफलता
विवाह में आ रही रुकावटों का समाधान
मानसिक तनाव से मुक्ति

विनायक चतुर्थी पूजा विधि

- इस व्रत को सफल बनाने के लिए विधिपूर्वक पूजा करना आवश्यक है।
- सबसे पहले प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त में उठें और स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद घर के पूजा स्थल को साफ करें और एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं।
- उस चौकी पर भगवान गणेश की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।
- गणेश जी को गंगाजल से स्नान कराएं और उन्हें सिंदूर, अक्षत, लाल फूल और दूर्वा अर्पित करें। इसके बाद धूप-दीप जलाएं और मोदक या लड्डू का भोग लगाएं।
- पूजा के दौरान "ॐ गं गणपतये नमः" मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करें। इसके बाद व्रत कथा का पाठ करें।
- पूजा के अंत में आरती करें और भगवान से अपने जीवन की बाधाएं दूर करने की प्रार्थना करें।

विनायक चतुर्थी व्रत कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक समय एक व्यक्ति अत्यंत निर्धन था और उसके जीवन में कई कठिनाइयाँ थीं। वह हर कार्य में असफल हो रहा था।
एक दिन उसे एक संत मिले, जिन्होंने उसे विनायक चतुर्थी का

व्रत करने की सलाह दी। उस व्यक्ति ने पूरी श्रद्धा और नियम के साथ भगवान गणेश की पूजा की।
कुछ ही समय में उसके जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन आने लगे। उसकी आर्थिक स्थिति सुधर गई, परिवार में सुख-शांति आने लगी और उसे समाज में सम्मान प्राप्त हुआ।
यह कथा दर्शाती है कि सच्चे मन से किया गया यह व्रत अवश्य फल देता है।

व्रत के नियम और सावधानियां

विनायक चतुर्थी के व्रत में कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक होता है।
व्रत रखने वाले व्यक्ति को दिनभर उपवास रखना चाहिए। केवल फल, दूध या सात्विक भोजन का सेवन करना चाहिए।
इस दिन तामसिक भोजन जैसे मांस, शराब आदि से दूर रहना चाहिए। झूठ बोलना, क्रोध करना और दूसरों को कष्ट देना भी वर्जित माना गया है।
मन, वचन और कर्म से शुद्ध रहकर भगवान गणेश का ध्यान करना चाहिए।

पूजा में उपयोग होने वाली सामग्री

विनायक चतुर्थी की पूजा में निम्न सामग्री का उपयोग किया जाता है:

- गणेश जी की मूर्ति या चित्र
- दूर्वा घास
- लाल फूल
- सिंदूर और अक्षत

- मोदक या लड्डू
- धूप और दीप
- गंगाजल

विनायक चतुर्थी के दिन क्या करें और क्या न करें

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। पूरे दिन भगवान का ध्यान करें और सकारात्मक विचार रखें।
नकारात्मक सोच, क्रोध और विवाद से दूर रहें। किसी भी व्यक्ति का अपमान न करें।
जरूरतमंद लोगों की सहायता करना इस दिन विशेष पुण्यदायी माना जाता है।

पूजा मंत्र और उनका महत्व

विनायक चतुर्थी के दिन मंत्र जाप करने से विशेष फल प्राप्त होता है।
मुख्य मंत्र है:
ॐ गं गणपतये नमः
इस मंत्र का नियमित जाप करने से बुद्धि का विकास होता है और जीवन में सफलता प्राप्त होती है।

किन लोगों को यह व्रत अवश्य करना चाहिए

जो लोग अपने जीवन में लगातार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, उन्हें यह व्रत अवश्य करना चाहिए।
विद्यार्थियों के लिए यह व्रत अत्यंत लाभकारी है, क्योंकि यह एकाग्रता और स्मरण शक्ति को बढ़ाता है।

व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए यह व्रत सफलता और उन्नति का मार्ग खोलता है।
विनायक चतुर्थी 2026 का व्रत भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने का एक श्रेष्ठ अवसर है।
यदि इस दिन सच्चे मन और श्रद्धा से पूजा की जाए, तो जीवन की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं और व्यक्ति को सुख, शांति और सफलता प्राप्त होती है।

RELATED ARTICLE

Shri Ganesh Ji Aarti

Shri Ganesh Chalisa

THANKS FOR READING

READ MORE RELIGIOUS CONTENT ON

vedicprayers.com

VEDIC PRAYERS